वार्षिक पाठ्यक्रम,

सत्र : 2018-19

कक्षाः 12वीं, विषय : हिन्दी ऐच्छिक, (कोड सं॰ : 002)

प्रथम सत्र : अप्रैल, 2018 से सितंबर, 2018 तक -

अंतरा भाग - 2	पाठ	अधिगम बिंदु	अभिव्यक्ति और माध्यम	अधिगम बिंदु
काव्य-खण्ड	**1. जयशंकर प्रसाद** (क) देवसेना का गीत (ख) कार्नेलिया का गीत **2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** (क) गीत गाने दो (ख) सरोज-स्मृति **3.अज्ञेय** (क) यह दीप अकेला (ख) मैंने देखा एक बूँद **4. केदारनाथ सिंह**	• साहित्यिक परिचय व रचनाएँ, प्रसंग/संदर्भ, छंद, अलंकार, काव्य सौंदर्य, भाव सौंदर्य एवं प्रश्नोत्तर चर्चा • साहित्यिक परिचय व रचनाएँ, प्रसंग/संदर्भ, छंद, हिन्दी में शोकगीत पर चर्चा, अलंकार, काव्य सौंदर्य, भाव सौंदर्य एवं प्रश्नोत्तर चर्चा • साहित्यिक परिचय व रचनाएँ, प्रसंग/संदर्भ, छंद, अलंकार, काव्य सौंदर्य, भाव सौंदर्य एवं प्रश्नोत्तर चर्चा • साहित्यिक परिचय व रचनाएँ, प्रसंग/ संदर्भ, छंद, अलंकार, काव्य सौंदर्य, भाव सौंदर्य एवं		विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन, रेडियो, प्रिंट मीडिया, रेडियो समाचार लेखन, इंटरनेट एवं हिन्दी का नेट संसार, पत्रकारिता लेखन, परिभाषा, विभिन्न रूप यथा समाचार लेखन, छह ककार, फीचर लेखन, विशेष रिपोर्ट, स्तम्भ लेखन, संपादक के नाम पत्र, लेख • कविता लेखन -कविता कैसे बनती है? कविता क्या है?शब्द चयन, प्रतीक चित्रात्मकता, छंद-विधान, बिंब, भाव, संप्रेषण आदि • नाटक लेखन एवं अन्य विधाएँ, समय का बंधन, नाटक के तत्व, भाषा का पात्रानुसार चयन, संवाद,

गद्य-खंड	(क) बनारस (ख) दिशा **5. विष्णु खरे** (क) सत्य (ख) एक कम **6. रघुवीर सहाय** (क) तोड़ो (ख) वसंत आया **7. तुलसीदास** (क) भरत-राम का प्रेम (ख) पद **8. मलिक महम्मद जायसी** बारह मासा **1. रामचन्द्र शुक्ल** प्रेमघन की स्मृति छाया **2. पं. चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'** सुमिरिनी के मनके	प्रश्नोत्तर चर्चा • साहित्यिक परिचय व रचनाएँ, प्रसंग, संदर्भ, छंद, अलंकार, काव्य सौंदर्य, भाव सौंदर्य एवं प्रश्नोत्तर चर्चा • साहित्यिक परिचय व रचनाएँ, प्रसंग, संदर्भ, छंद, अलंकार, काव्य सौंदर्य, भाव सौंदर्य एवं प्रश्नोत्तर चर्चा • साहित्यिक परिचय व रचनाएँ, प्रसंग, संदर्भ, रस, छंद, अलंकार, काव्य सौंदर्य, भाव सौंदर्य एवं प्रश्नोत्तर चर्चा • साहित्यिक परिचय व रचनाएँ, प्रसंग, संदर्भ, रस, छंद, अलंकार, काव्य सौंदर्य, भाव सौंदर्य एवं प्रश्नोत्तर चर्चा • साहित्यिक परिचय एवं रचनाएँ, पाठ के कथ्य की व्याख्या, भाषा शैली, शब्द चयन, प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग-व्याख्या, प्रश्नोत्तर • साहित्यिक परिचय एवं रचनाएँ, शीर्षक 'सुमिरिनी' का अर्थ व भावार्थ, तीनों कथाओं का मर्म, स्पष्टीकरण, प्रश्नोत्तर चर्चा • साहित्यिक परिचय एवं रचनाएँप्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग-व्याख्या, प्रश्नोत्तर चर्चा	**रचनात्मक लेखन (पत्र-लेखन)**	शिल्प संरचना आदि। • कहानी लेखन, कहानी का इतिहास, अर्थ, तथ्य, वाक्य, शब्द रचना, भाषा शैली, उद्देश्य आदि। • साक्षात्कार आदि की प्रक्रियाएँ • पत्रों के प्रकार बताते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र • विविध जन समस्याओं से संबंधित पत्र, • समस्या समाधान हेतु विभिन्न कार्यालयों को पत्र, • आवेदन एवं प्रार्थना पत्र • स्ववृत लेखन, • रोजगार संबंधी पत्र, • दूरदर्शन, संचार माध्यमों से संबंधित पत्र जैसे कार्यक्रम संबंधी सुझाव, अश्लील विज्ञापनों पर ध्यानाकर्षण, रोजगार संबंधी कार्यक्रम, युवा एवं छात्रोपयोगी

	3. ब्रजमोहन व्यास कच्चा चिट्ठा **4. फणीश्वरनाथ रेणु** संवदिया **5. भीष्म साहनी** गाँधी नेहरू और यास्सेर आराफ़ात **6. असगर वजाहत** शेर, पहचान, चार हाथ, साझा **7. निर्मल वर्मा** जहाँ कोई वापसी नहीं **8. रामविलास शर्मा** यथास्मैरोचते विश्वम	• साहित्यिक परिचय एवं रचनाएँ, संवदिया का अर्थ, महत्व, वर्तमान एवं पूर्व में नारी की स्थिति, संवादिया का चरित्र चित्रण एवं प्रश्नोत्तर • साहित्यिक परिचय एवं रचनाएँ, तीनों महापुरूषों का समन्वय, भाष्य शैली, महत्वपूर्ण गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या, प्रश्नोत्तर चर्चा • साहित्यिक परिचय एवं रचनाएँ, इन चारों कहानियों के प्रतीकार्थों की व्याख्या। जीवन मूल्यों की पहचान, प्रश्नोत्तर अभ्यास • साहित्यिक परिचय एवं रचनाएँ, मूल कथ्य परिचर्चा, भाषा शैली, शब्द चयन, प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग-व्याख्या, प्रश्नोत्तर • साहित्यिक परिचय एवं रचनाएँ, मूल कथ्य परिचर्चा, भाषा शैली, शब्द चयन, प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग-व्याख्या, प्रश्नोत्तर	**(निबंध लेखन)**	ज्ञानवर्धक कार्यक्रम • राष्ट्रीय विषयों पर जैसे भारत की वैज्ञानिक प्रगति, राजनीतिक शुद्धिकरण, भ्रष्टाचार का अंत कैसे हो? • युवा पीढी से संबंधित जैसे आदर्श विद्यार्थी, विद्यार्थी व राजनीति, स्वस्थ युवा, आदर्श नागरिक आदि। • नैतिक शिक्षा पर आधारित-सदाचार, परोपकार, अभिभावकों का सम्मान, मित्रता आदि, • समस्यात्मक निबंध - वैश्विक आतंकवाद, कश्मीर की स्थिति, दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली आदि। • सामान्य विषयों पर - स्वच्छता अभियान,पर्यावरण, प्रदूषण, सड़क सुरक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा आदि। • नारी विषयक निबंध- आधुनिक नारी, शिक्षा, स्वावलंबन, स्वतंत्रता आदि,

अंतराल **भाग - 2**	1. **सूरदास की झोपड़ी** **(प्रेमचन्द)** **2 आरोहण** **(संजीव)**	• छात्रों द्वारा आदर्श वाचन, भावानुसार पठन अभ्यास। सूरदास के व्यक्तित्व का स्पष्टीकरण, मूल कथ्य का स्पष्टीकरण एवं प्रश्नोत्तर चर्चा। • पर्वतीय प्रदेश के निवासियों का जीवन के लिए संघर्ष पर चर्चा, भौगोलिक चुनौतियों से परिपूर्ण मानव जीवन की समस्याएँ, प्रश्नोत्तर चर्चा	**अपठित गद्यांश एवं पद्यांश** **(अभ्यास एवं पुनरावृति)**	• साहित्यिक विषयों पर-मेरी प्रिय पुस्तक, मेरा प्रिय साहित्यकार आदि। • छात्रों के अर्थग्रहण क्षमता का विकास करके भाव संप्रेषण क्षमता को विकसित करना, शब्दों के अर्थ को जानने के आधार, वाक्यों के निहितार्थ को समझने, सटीक व संक्षिप्त भाषा में उत्तर देने का अभ्यास करना, गद्यांशों के मूलभाव ग्रहण करके शीर्षक निर्धारण का अभ्यास, पद्यांशों के मूलार्थ को समझते हुए रस, छंद, अंलकार को पहचानना,शब्द-शक्ति-ओज गुण, माधुर्य गुण, प्रसाद गुण की शैलियों को समझना, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, शब्द शक्तियों का ज्ञान व इनकी पहचान करना।

पुनरावृति (मध्यावधि परीक्षा के सन्दर्भ में)

मध्यावधि परीक्षा

द्वितीय सत्र

(अक्टूबर, 2018 से माच, 2019 तक)

अंतरा भाग - 2	पाठ		अभिव्यक्ति और माध्यम	अधिगम बिंदु
काव्य खंड	**9. विद्यापति** पद	साहित्यिक परिचय व रचनाएँ, प्रसंग, संदर्भ, छंद, अलंकार, काव्य सौंदर्य, भाव सौंदर्य एवं प्रश्नोत्तर चर्चा		• नए व व्यावहारिक विषयों पर लेखन यथा दीवार घड़ी, दरवाज़े, फोन, ताला आदि की आत्मकथा, परीक्षा के दिनों में ईश्वर, मेरे मुहल्ले का चौराहा आदि (अध्यापक छात्रों के स्तर को देखते हुए अन्य विषयों पर भी लेखन कराएँ।) (कल्पनाशीलता एवं सृजनशीलता की लिखित अभिव्यक्ति एवं अनुभूति की क्षमता का संवर्धन) • विद्यालय संबंधी समस्या का
	10. केशवदास कवित्त सवैया	साहित्यिक परिचय व रचनाएँ, प्रसंग, संदर्भ, छंद, हिन्दी में शोकगीत पर चर्चा, अलंकार, काव्य सौंदर्य, भाव सौंदर्य एवं प्रश्नोत्तर चर्चा		
	11. घनानन्द कवित्त सवैया	साहित्यिक परिचय व रचनाएँ, प्रसंग, संदर्भ, छंद, अलंकार, काव्य सौंदर्य, भाव सौंदर्य एवं प्रश्नोत्तर चर्चा		
गद्य-खंड	**9. ममता कालिया** दूसरा देवदास	साहित्यिक परिचय एवं रचनाएँ, मूल कथ्य परिचर्चा, भाषा शैली, शब्द चयन, प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग-व्याख्या, प्रश्नोत्तर	**रचनात्मक लेखन** **(पत्र - लेखन)**	

अंतराल भाग-2	**10. हजारी प्रसाद द्विवेदी** कुटज 3. विस्कोहर की माटी **(विश्वनाथ त्रिपाठी)** 4. अपना मालवा-खाऊ उजाडू सभ्यता में **(प्रभाष जोशी)**	साहित्यिक परिचय एवं रचनाएँ, मूल कथ्य परिचर्चा, भाषा शैली, शब्द चयन, प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग-व्याख्या, प्रश्नोत्तर छात्रों द्वारा आदर्श वाचन, भावानुसार पठन अभ्यास। सूरदास के व्यक्तित्व का स्पष्टीकरण, मूल कथ्य का स्पष्टीकरण एवं प्रश्नोत्तर चर्चा। छात्रों द्वारा आदर्श वाचन, भावानुसार पठन अभ्यास। सूरदास के व्यक्तित्व का स्पष्टीकरण, मूल कथ्य का स्पष्टीकरण एवं प्रश्नोत्तर चर्चा।	**(निबंध लेखन)** **अपठित गद्यांश एवं पद्यांश (अभ्यास एवं**	उल्लेख, • सम्पादक के नाम पत्र, • नागरिक शिकायतों हेतु पत्र, • स्ववृत लेखन अभ्यास..... आदि। • राष्ट्रीय महत्व के- भारतीय सांस्कृतिक विविधता में एकता एवं अन्य... • सूक्तिपरक - साँच बराबर तप नहीं...., परहित सरिस धरम नही भाई....., तेते पाँव पसारिये.... आदि एवं अन्य समसामायिक विषयों पर। (लेखन कौशल का विचारशीलता, विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास) • छात्रों के अर्थग्रहण क्षमता का विकास करके भाव संप्रेषण क्षमता को विकसित करना, शब्दों के अंर्थ को जानने के आधार, वाक्यों के

		नोट : • नवम्बर माह तक पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया जाए।	**पुनरावृति)**	निहितार्थ को समझन, सटीक व संक्षिप्त भाषा में उत्तर देने का अभ्यास करना, गंद्यांशों के मूलभाव ग्रहण करके शीर्षक निर्धारण का अभ्यास, पद्यांशों के मूलार्थ को समझते हुए रस, छंद, अंलकार को पहचानना, शब्द-शक्ति, ओज गुण, माधुर्य गुण, प्रसाद गुण की शैलियों को समझना, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, शब्द शक्तियों का ज्ञान व इनकी पहचान करना।

प्री - बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्र को हल करके छात्रों के द्वारा लिखित कार्य का तुलनात्मक विचार विमर्श किया जायेगा। प्रश्नों को हल करने में उन्होंने कहाँ, क्या, कैसे, कैसी त्रुटि कर दी यह सब समझाया जाएगा। मुख्य रूप से अपठित गद्यांश, पद्यांश को हल करना, पत्र का चयन करना, निबंधों मे से एक निबंध चुनने का आधार तय करना आदि व्यावहारिक तथ्य बताए व समझाएँ जायें ताकि समय के बंधन में रहकर भी छात्र वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकें।

बोर्ड परीक्षा हेतु निर्देश -छात्रों को भली भाँति समझा दिया जाए कि परीक्षा की कॉपी में प्रश्न पत्र में अंकित प्रश्नाँक ही लिखें। जहाँ तक संभव हो प्रश्न के प्रश्नानुक्रम से उत्तर लिखने का प्रयास करें। एक प्रश्न का उत्तर लिखने के पश्चात् तीन चार पँक्तियाँ छोड़ कर अगला प्रश्नोत्तर लिखें। उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर के पृष्ठों पर लिखें। इतना खुला खुला न हो कि परीक्षक को लगे कि छात्र पृष्ठ संख्या बढ़ाने के लिए लिख रहा है। तथा इतना

निकट भी नहीं कि परीक्षक से पढ़ा न जाए। अक्षर भी और बहुत बड़े न बहुत छोटे हों। लेख संतुलित समानुपाती हो। यदि लिखित को काटना पड़ जाए तो केवल एक रेखा से काटें। समय समय पर विभिन्न प्रकार की सूक्तियाँ मुहावरे, दोहे, काव्य पंक्तियाँ छात्रों को कण्ठस्थ करवाई जाएँ जो संदर्भानुसार निबंध लेखन में प्रयुक्त हो सकें। यदा-कदा श्यामपट्ट पर शुद्ध वर्तनी लेखन का अभ्यास, शब्द रचना की प्रक्रिया, उपसर्ग-प्रत्यय का महत्व, पर्यायवाची शब्दों के प्रयोग में भिन्नता, समानार्थी शब्दों के भाव आदि। घर से प्रतिदर्श प्रश्न पत्र हल करके छात्र अध्यापकों से जाँच करवात रहें। यह परीक्षा का भय समाप्त करने में सहायक होगा।	
	पुनरावृति एवं अभ्यास (वार्षिक परीक्षा के सन्दर्भ में) **वार्षिक परीक्षा**
	निर्धारित पुस्तकें 1. अन्तरा भाग -2 2. अन्तराल भाग-2 3. अभिव्यक्ति और माध्यम